



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 434]

नई दिल्ली बुधवार, सितम्बर 25, 1985/अश्विन 3, 1907

No. 434]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 25, 1985/ASVINA 3, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह बसग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय
(ग्रामीण विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1985

सा.का.नि. 762 (अ).—चाय श्रेणीकरण और बिहूनांकन नियम, 1985 का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण बिहूनांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर, जो उक्त प्रारूप की बाबत ऊपर विनिर्दिष्ट 45 दिन की अवधि के भीतर किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

प्रारूप नियम

1. संक्षिप्त नाम और लागू होना.— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम चाय श्रेणीकरण और बिहूनांकन नियम, 1985 है।

(2) ये कागड़ा घाटी चाय से भिन्न भारत में उगाए गए कंमेलिया वर्ग और उसकी जातियों के पौधे से व्युत्पन्न चाय को लागू होंगे।

2. परिभाषाएं.—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “कृषि विपणन सलाहकार” से कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार अभिप्रेत है,

- (ख) "प्राधिकृत पैकर" से ऐसा व्यक्ति या व्यक्तियों का निकाय अभिप्रेत है जिसे चाय के संबंध में साधारण श्रेणीकरण और चिह्नान्कन नियम, 1937 के नियम 3 के अधीन प्राधिकार प्रमाणपत्र दिया गया है,
- (ग) "अनुसूची" से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है ।

3. श्रेणी अभिधान.—चाय की क्वालिटी को बरानि वाला श्रेणी अभिधान वह होगा जो अनुसूची 1 के स्तम्भ 1 में उपवर्णित है ।

4. क्वालिटी की परिभाषा.—प्रत्येक श्रेणी अभिधान द्वारा उपवर्णित क्वालिटी वह होगी जो अनुसूची 1 के स्तम्भ 2 से 9 में उपवर्णित है ।

5. श्रेणी अभिधान चिन्ह.—(1) श्रेणी अभिधान चिन्ह में कृषि विपणन सलाहकार द्वारा प्रदाय किया गया एक ऐसा लेबल होगा जिसमें श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट होगा और एक ऐसा डिजाइन बना होगा जिसमें भारत के मानचित्र की रूपरेखा होगी जिस पर "AGMARK" शब्द और "PRODUCE OF INDIA" और "भारतीय उत्पाद" शब्दों सहित उगते हुए दूई का चित्र होगा, जो अनुसूची 2 में उपवर्णित चिन्ह के समुच्चय होगा ।

(2) प्रतिकृति के रूप में श्रेणी अभिधान चिन्ह का आकार अनुसूची 3 में दिए गए डिजाइन के अनुसार आधान के आकार के अनुसार होगा और कृषि विपणन सलाहकार या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा अनुमोदित होगा ।

6. पैकिंग की पद्धति.—(1) चाय को उस रीति से पैक किया जाएगा जिससे कि उसकी ताजगी बनी रहे ।

(2) चाय 25 ग्राम, 50 ग्राम, 200 ग्राम, 500 ग्राम, 1 कि. ग्रा. के पैक आकारों में और उसके बाह्य विभिन्न एक-एक कि. ग्रा. में पैक की जाएगी ।

(3) जहां चाय का शुद्ध भार 5 किलोग्राम से अधिक है वहां उसे पालिथिन के अस्तर वाले कपड़े के थैलों में या लकड़ी की पेडियों या 0.25 मि. ग्रा. 10 प्रतिशत की मोटाई की ऐल्यूमिनियम पन्ती के अस्तर से युक्त मजबूत प्लाईवुड बोर्डों से निर्मित पेडियों या टिन आधानों में या अन्य ऐसी रीति से पैक किया जाएगा जो कृषि विपणन सलाहकार अनुमोदित करें ।

(4) जहां चाय का शुद्ध भार 5 किलोग्राम है या उससे कम है वहां उसे पालिथिन के थैलों या कागज के थैलों में या टिन आधानों में किसी ऐसी रीति से पैक किया जाएगा जो कृषि विपणन सलाहकार अनुमोदित करे ।

(5) सभी मामलों में, आधान किसी कीट अर्न्तग्रसन, कवक आक्रमण, कुस्तक संवृषण और किसी अवांछनीय गन्ध से मुक्त होंगे ।

(6) आधान को मजबूती से बंद और ऐसी रीति से मुहरबन्द किया जाएगा, जो कृषि विपणन सलाहकार चिह्नित करे ।

(7) प्रत्येक पैकेज में केवल एक ही श्रेणी अभिधान की चाय होगी ।

7. चिह्नान्कन की पद्धति.—(1) श्रेणी अभिधान चिन्ह, कृषि विपणन सलाहकार या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति से प्रत्येक आधान पर मजबूती से चिपकाया जाएगा ।

(2) श्रेणी अभिधान चिन्ह के अतिरिक्त, निम्नलिखित विशिष्टियां लेबल और/या आधान पर स्पष्ट और अमिट रूप से चिह्नान्कित किया जाएगा :—

(क) लाट का क्रम संख्यांक,

(ख) पैकर का नाम ;

(ग) पैकिंग का स्थान ;

(घ) पैकिंग की तारीख ;

(ङ) शुद्ध भार ; और

(च) कोई अन्य विशिष्टियां, जो कृषि विपणन सलाहकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे ।

(3) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार या इस बाबत उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी से पूर्व अनुमोदन अभिप्राप्त करने के पश्चात् किसी आधान पर अपना प्राइवेट व्यापार चिन्ह उक्त अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति से अंकित कर सकेगा, परन्तु यह तब जब कि प्राइवेट व्यापार चिन्ह से इन नियमों के अनुसार आधान पर चिपकाए गए श्रेणी अभिधान चिन्ह द्वारा उपवर्णित चाय की क्वालिटी या श्रेणी से भिन्न क्वालिटी या श्रेणी उपवर्णित न हो ।

अनुसूची-1

(नियम 3 और 4 देखें)

*चाय के श्रेणी अभिधान और उसकी क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान

क्वालिटी की परिभाषा

विशेष अपेक्षाएं

कुल भस्म, भार के अनुसार प्रतिशत	कवथन आसवित जल में विलेय कुल भस्म भार के अनुसार प्रतिशत (न्यूनतम)	एच सी एल में अविलेय भस्म, भार के अनुसार प्रतिशत (अधिकतम)	जल विलेय निष्क-वर्ण, भार के अनुसार प्रतिशत (न्यूनतम)	K ₂ O के रूप में अभिव्यक्त विलेय भस्म की क्षारता भार के अनुसार प्रतिशत	अपरिष्कृत तंतु, भार के अनुसार प्रतिशत (अधिकतम)	
1	2	3	4	5	6	7
विशेष	5.0 (न्यूनतम)	40.0	0.5	35.0	1.0 (न्यूनतम)	13.0
मानक	7.0 (अधिकतम)	40.0	1.0	32.0	2.2 (अधिकतम)	16.0

सामान्य अपेक्षाएं

103° सें. पर
साजा में हानि,
भार के अनुसार
प्रतिशत
(अधिकतम)

8

9

- 7.0 (1) चाय कैमेलिया वर्ग और उसकी जाति के पौधों, जिसके बारे में यह ज्ञात है कि यह चाय बनाने के लिए उपयुक्त है, की पत्तियों, कलियों और कोमल तनों से अनन्य रूप से व्युत्पन्न उत्पाद होगी ;
- 7.0 (2) चाय रंग में भूरी सी काली, गहरी काली और फफोलेदार, बरारदार, डंडली, भूरी पत्तियों से समुचित रूप से मुक्त होगी और सख्त डंडलों और रेशों से मुक्त होगी ;
- (3) चाय अपद्रव्यों, किसी बाह्य पदार्थ, फफूंदी, मृत या जीवित कीटों, कृन्तक संवृषण, मिलाए गए रंग और गंध निरक्षेपित चाय पत्तियों, गन्धहीन और किसी अन्य हानिकारक पदार्थों से मुक्त होगी ;
- (4) चाय से ऐसा लिफर तैयार होगा जो साफ रंग सहित, ताजा, स्वच्छ, मजेदार, विशिष्ट स्वाद और गन्ध वाला, स्फूर्ति स्वस्थ और समता वाला तथा विकृति से मुक्त होगा। निषेचन रंग में न तो गहरा भूरा होगा न ही हरा होगा ।
- (5) किसी साइमन प्रयोगशाला छलनी में आई एस 500 माइक्रोन छलनी पर 50 ग्राम (चाय) को, दो मिनट तक छानने पर भार के अनुसार 4 प्रतिशत से अधिक पदार्थ उससे होकर गुजरेगा ।

*ये कांगड़ा घाटी में और उससे लगे हुए क्षेत्र मंडी (हि. प्र.), देहरादून (उत्तर प्रदेश) और बड़ागा (नौलगिरि) में उत्पादित वाणिज्यिक रूप से कांगड़ा चाय के रूप में ज्ञात चाय को, जिसे कांगड़ा चाय श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1975 में परिभाषित किया गया है, लागू नहीं होगा ।

- टिप्पण : (1) स्तर 2, 5 और 7 के नीचे विनिर्दिष्ट सीमाएं शुल्क भार के आधार पर हैं, अर्थात् चाय को 100° सें. पर किसी स्थिर भार पर सुखाने के पश्चात् ।
- (2) जल विलेय निष्कर्षण वह निष्कर्षण है जिसे सूखी चाय का भाटा में एक घंटे तक आसवित जल के सौंवे भाग के साथ कवथन द्वारा प्राप्त किया गया है ।

परिभाषाएं :

फफोलेदार : वे चाय पत्तियां हैं जो अधिक ताप के कारण विनिर्माण प्रक्रिया के दौरान प्रमाणित हो जाती हैं ।

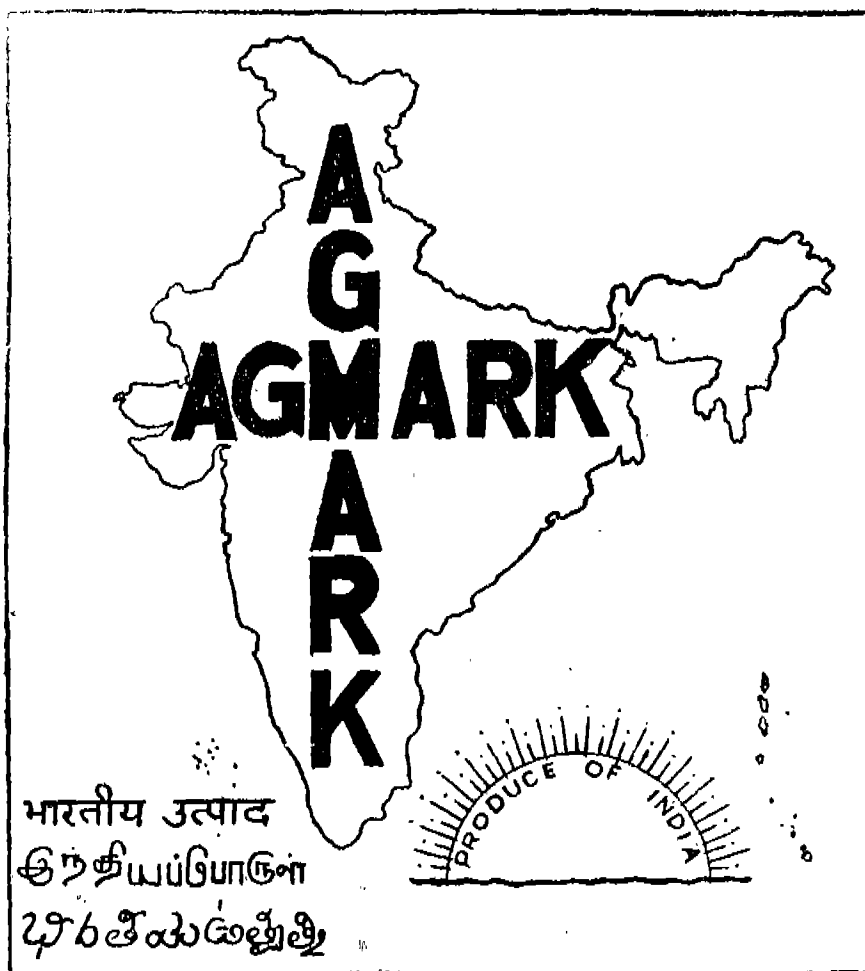
बरारदार : वे चाय पत्तियां हैं जो विनिर्माण के दौरान अधिक कट जाती हैं ।

डंडली : से अभिप्रेत है बहुत अधिक संख्या में डंडलों से मुक्त चाय जो बिखने में अच्छी नहीं लगती है ।

अनुसूची-2

[नियम 5(1) देखें]

श्रेणी अभिधान चिन्ह के लिए डिजाइन



अनुसूची 3

[नियम 5(2) देखें]

प्रतीक का डिजाइन



TEA GRADE.....

[फा. सं. 10-9/84/एम.-1]

बी. के. बजाज, प्रवर सचिव।

MINISTRY OF AGRICULTURE & RURAL DEVELOPMENT

(Department of Rural Development)

New Delhi, the 23rd September, 1985

NOTIFICATION

G.S.R. 762 (E) :—The following draft of the Tea Grading and Marking Rules, 1985 which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937(1 of 1937), is hereby published, as required by the said section, for the Information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of fortyfive days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft within a period of fortyfive days as specified above will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. Short-title and application:—(1) These rules may be called the Tea Grading and Marking Rules, 1985.
- (2) They shall apply to the tea other than Kangra Valley Tea, derived from the plant of *Camellia* genus and its species grown in India;
2. Definitions :—In these rules, unless the context otherwise requires :—
 - (a) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;
 - (b) "Authorised packer" means a person or a body of persons who has been granted a certificate of authorisation under rule 3 of the General Grading and Marking Rules, 1937 in relation to tea;
 - (c) "Schedule" means the Schedule appended to these rules.
3. Grade designation :—The grade designation to indicate the quality of the tea shall be as set out in column 1 of Schedule I.
4. Definition of quality :—The quality indicated by each grade designation shall be as set out in columns 2 to 9 of Schedule I.
5. Grade designation mark :—(1) The grade designation mark shall consist of a label supplied by the Agricultural Marketing Adviser specifying the grade designation and bearing a design consisting of an outline map of India with the word "AGMARK" and the figure of the rising sun with the words "Produce of India" and "भारत का उत्पाद" resembling the mark as set out in Schedule II.
- (2) The size of the grade designation mark in the form of a replica shall be reduced according to the size of the container as per the design given in Schedule III and approved by the Agricultural Marketing Adviser or any other officer authorised by him.
6. Method of packing:—(1) Tea shall be packed in such a manner so as to allow it to retain its freshness.
- (2) Tea shall be packed in pack-sizes of 25 gms., 50 gms., 200 gms., 500 gms., 1 Kg and thereafter in multiples 1 kilogram.
- (3) Where the net weight is above 5 kilograms, tea shall be packed in sound and clean new cloth bags with polythene lining or wooden cases or chests constructed from strong plywood boards lined with aluminium foil of 0.25 mm 10 per cent thickness or tin containers or in such other manner as may be approved by the Agricultural Marketing Adviser.
- (4) Where net weight is 5 kilograms or less, tea shall be packed in polythene bags or paper bags or tin containers in such a manner as may be approved by the Agricultural Marketing Adviser.
- (5) In All cases, the container shall be free from any insect infestation, fungus attack, rodent contamination and also from any undesirable smell.
- (6) The container shall be securely closed and sealed in a manner prescribed by the Agricultural Marketing Adviser.
- (7) Each package shall contain tea of the same grade designation only.
7. Method of marking:—(1) The grade designation mark shall be securely affixed to every container in a manner approved by the Agricultural marketing Adviser or any other officer authorised by him.
- (2) In addition to the grade designation mark, the following particulars shall be clearly and indelibly marked on the label and/or container;
 - (a) Serial number of the lot;
 - (b) Name of packer;

- (c) Place of packing;
 (d) Date of packing;
 (e) Net weight; and
 (f) Any other particular, as may be specified by the Agricultural Marketing Adviser from time to time.

(3) An authorised packer may, after obtaining the prior approval of the Agricultural Marketing Adviser or any other officer authorised by him in this regard, mark his private trade mark on a container in a manner approved by the said officer, provided that the private trade mark shall not represent quality or grade of the tea different from that indicated by the grade designation mark affixed on the container in accordance with these rules.

SCHEDULE—I

(See rule 3 and 4)

Grade designation and definition, of quality of Tea*

Trade Designations	Definition of quality					
	Special Requirements					
	Total ash per cent by weight	Total ash soluble in boiling distilled water, per cent by weight (minimum)	Ash insoluble in HCL per cent by weight (maximum)	Water soluble extract per cent by weight (minimum)	Alkalanity of soluble ash expressed as K_2O - per cent by weight	Crude fibre per cent by weight (Maximum)
1	2	3	4	5	6	7
Special	5.0 (Minimum)	40.0	0.5	35.0	1.0 (Minimum)	13.0
Standard	7.0 (Maximum)	40.0	1.0	32.0	2.2 (Maximum)	16.0

General Requirements

Loss in mass at 103°C, per cent by weight (Maximum)			
8		9	
	Tea shall :—		
7.0	(1) be the product derived exclusively from leaves buds and tender stems of plant of the genus <i>Camellia</i> and its species known to be suitable for tea making;		
7.0	(2) be brownish-black, or jet black in colour and reasonably free from blistered, choppy, stalky, grey leaves and fairly free from hard stalks and fibre;		
	(3) be free from impurities, any extraneous matter, mould, dead or live insects, rodent contamination, added colour and flavour, exhausted tea leaves, off flavour and any other deleterious substances;		
	(4) produce a liquor having fresh, clear, pleasant, characteristic taste and flavour with fair colour, briskness, body and strength, free from taint. The infusion shall be neither brown dark nor green in colour;		
	(5) On sieving 50 gms (of tea) in a Simon Laboratory sifter on IS 500 micron sieve for two minutes, not more than 4 per cent of material by weight shall pass through.		

*Shall not apply to tea commercially known as Kangra Valley Tea produced in Kangra Valley and its adjoining area, Mandi (H.P.), Dehradun (Uttar Pradesh) and Badaga (Nilgiris) which has been defined under the Kangra Tea Grading and Marking Rules, 1975.

Note : (1) The limits specified under columns 2, 5 and 7 are on dry weight basis, i.e. after drying the tea to a constant weight at 100°C.

(2) Water soluble extract is the extract obtained by boiling dry tea with 100 parts of distilled water for one hour under reflux.

Definitions :

Blistered : are those tea leaves affected during manufacturing process due to over heating.

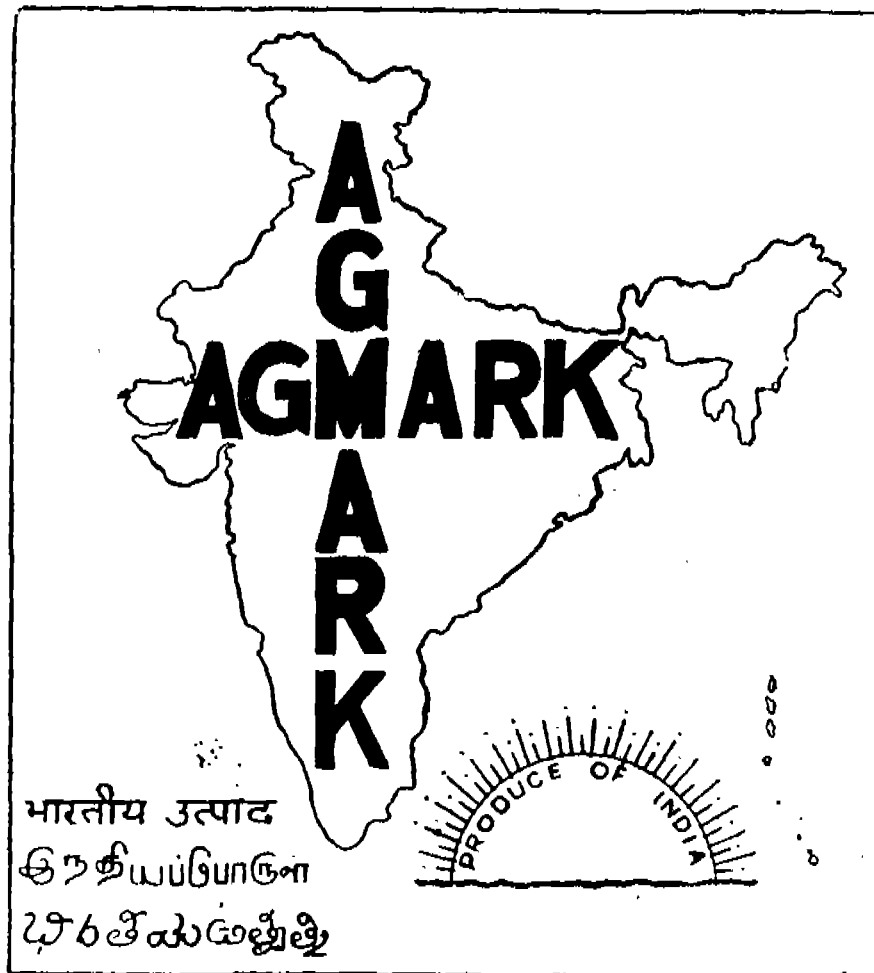
Chophy : are the tea leaves excessively cut during manufacturing.

Stalky : means tea containing an abnormal amount of stalks which is undesirable from the appearance point of view.

SCHEDULE—II

[See rule 5(1)]

Design for the grade designation mark



SCHEDULE—III

[See rule 5(2)]

Design of Replica



TEA GRADE.....

[F. No. 10-9/84-M-I]
B.K. BAJAJ, Under Secy.